International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

शिक्षा के प्रति तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियों की दृष्टिकोण का अध्ययन

डॉ.लता मिश्रा

व्याख्याता, शा.शि.शिक्षा महाविदयालय रायपुर .शोध कार्य सत्र 2021–22

सारांश – अध्ययन का उदेश्य तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियों को समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास है। सामाजिक परिर्वतन लाने में शिक्षा आधारभूत भूमिका अदा करती है। समाज मे विभिन्न प्रकार के भेदभाव देखने को मिलते है, जिसमें लिंग संबधी भेदभाव स्पष्ट देखने को मिलते है। इसी समाज में कई ऐसे वर्ग भी है, जो हमारी सामाजिक असंवेदनशीलता के चलते बदतर जीवन जीने के लिए मजबूर है, उनमें से एक वर्ग है–तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्ति, जिसे हम हिजड़ा, किन्नर, सुसरा, उभयलिंगी, मुहगर, पावैया व कोती आदि नामों से जानते है। इस शोध कार्य के माध्यम से तृतीय लिंग समुदाय के प्रति सकारात्मक व सहयोगात्मक दृष्टिकोण का विकास करना है। तृतीय लिंग व्यक्तियो की अपनी दृष्टिकोण "और उनके प्रति "दूसरों" का दृष्टिकोण में बडा अन्तर रहा है। इसी अन्तर ने तृतीय वर्ग के प्रति समानता और सामाजिक न्याय के विषय पर सोंच की जरुरत को ताकत दी और इस वर्ग के हालात पर अनुसधांन कार्य करने का विचार आया और निश्चय किया। प्रस्तुत शोध ग्रन्थ के माध्यम से छत्तीसगढ राज्य के रायपुर जिले के **तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियों की शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन** किया जा गया है। तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो से आकडे एकत्र किए गये है। शोध कार्य से प्राप्त निष्कर्ष अनुसार तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो की **शिक्षा के प्रति तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियों का** सकारात्मक दृष्टिकोण पाया गया है, किन्तु तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो को शिक्षा के दौरान विभिन्न समस्याओ का सामना करना पड रहा है जो कि समाज के लिए विचारणनीय है।

कुंजी शब्द– तृतीय लिंग व्यक्ति

उद्देश्य :–

1 शिक्षा के प्रति तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो की दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
2 तुतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो की आयु वर्ग की क्या स्थिति है ?
3 तुतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो का व्यवसाय की क्या स्थिति है ?
4 शिक्षा के प्रति तृतीय लिंग समुदाय दृष्टिकोण का अध्ययन कर शासन को सुझाव प्रस्तुत करना।

शोध प्रश्न :–

1 शिक्षा के प्रति तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो की दृष्टिकोण कैसी है ।
2 तुतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो की आयु वर्ग की क्या स्थिति है ?
3 तुतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो का व्यवसाय की क्या स्थिति है ?

क्षेत्र एवं परिसीमन

क्र.	तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्ति	महायोग
संख्या	40	40

शोध का परिसीमन – छत्तीसगढ राज्य का रायपुर जिला ।

न्यादर्श –रायपुर जिला में निवास करने वाले तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो से आकडे एकत्र किए गये है। प्रस्तुत लघुशोध में यादृच्छिक Simple Randam Sampling एवं उद्देश्य पूर्ण Purposive Sampling विधि से चयन किया गया है।

प्रक्रिया – तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो के लिए प्रश्नावली का निर्माण किया । तीन विषय विशेषज्ञ से जॉच करवाया गया । सलाह अनुसार प्रश्नावली में सुधार किया गया । तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो से मिलकर प्रश्नोत्तर सूची के माध्यम से डाटा एकत्र किया गया।

शोध उपकरण – शिक्षक निर्मित (प्रश्नोत्तर) **विधि** – सर्वेक्षण विधि

आंकड़ों के विश्लेषण की तकनीकें –डाटा एकत्र करने के पश्चात डाटा एन्ट्री टेबुलेशन, स्कोरिग एवं एनालिसिस का कार्य किया गया । डाटा का वर्गीकरण, सारणीयन, प्रतिशत गणना ,आरेखीय निरूपण किया गया ।

शोध प्रश्न 1– तुतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो की आयु वर्ग की क्या स्थिति है ?

क	तुतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो की आयु वर्ग							
आयु वर्ग	15–20	21–30	31–40	41–50	51–60	61–70	71–80	कुल संख्या
संख्या	02	18	10	08	02	00	00	40
प्रतिशत	05	45	25	20	05	00	00	100

आरेखीय निरूपण कमांक 5.2

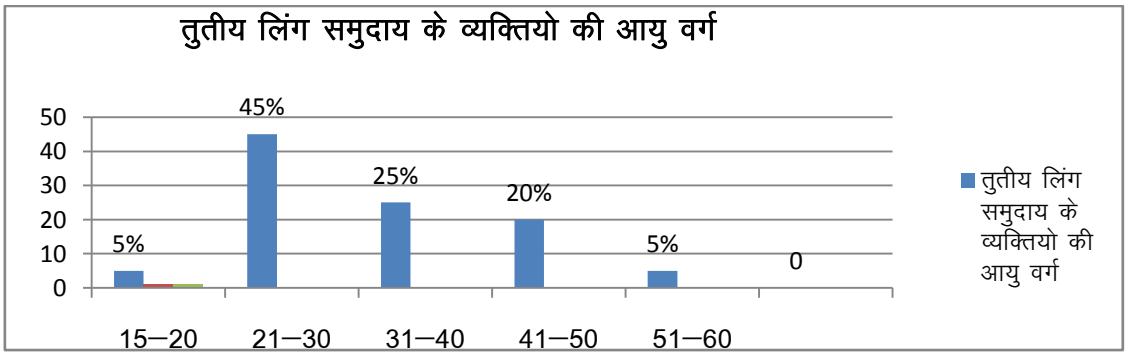

निष्कर्ष –प्राप्त आकडो के अनुसार तुतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो से जिन तुतीय लिंग व्यक्तियो से आकडे एकत्र किए गये है। उनकी आयु वर्ग 05 प्रतिशत 15 –20 आयु ,45 प्रतिशत 21 – 30 वर्ष की आयु ,25 प्रतिशत 31 – 40 आयु ,20 प्रतिशत 41 – 50 वर्ष की आयु , 5 प्रतिशत 51 – 60 वर्ष की आयु के तुतीय लिंग व्यक्तिय हैं।

शोध प्रश्न 2 तुतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो का व्यवसाय की क्या स्थिति है ?

तुतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो का व्यवसाय की जानकारी प्रतिशत मे

व्यवसाय								
क्रमांक	स्वयं का व्यवसाय	प्रा.नौकरी	सा.कार्यकर्ता	शा.नौकरी	मजदुरी	भिक्षा / बधाई	कृषि	कुल
संख्या	00	01	02	00	25	12	00	40
प्रतिशत	00	2.5	05	00	62.5	30	00	100

आरेखीय निरूपण क्रमांक 5.5

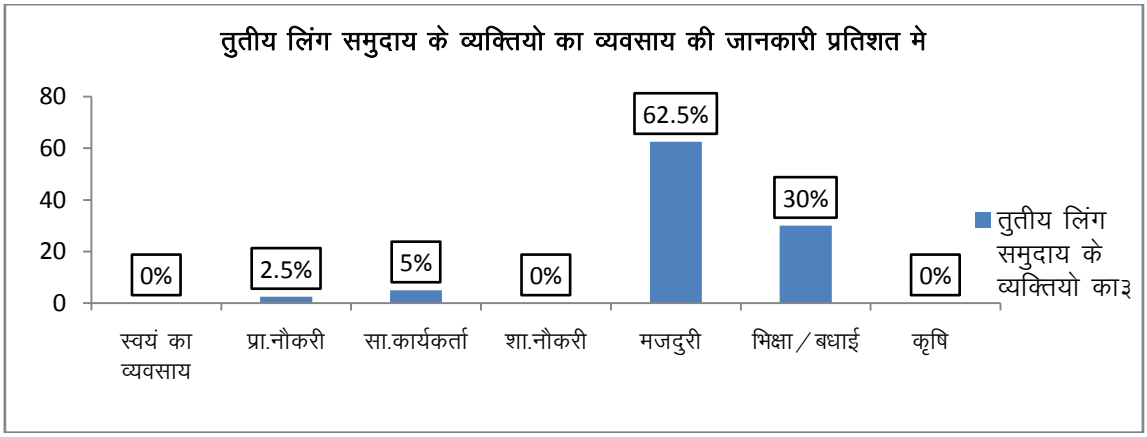

निष्कर्ष –

– प्राप्त आकडो के अनुसार जिला रायपुर से तुतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो से जिन तुतीय लिंग व्यक्तियो से आकडे एकत्र किए गये है। उनके व्यवसाय का आकडा– 00 प्रतिशत स्वयं का व्यवसाय, 2.5 प्रतिशत प्रा.नौकरी. 05 प्रतिशत सामाजिक कार्यकर्ता, 00 प्रतिशत शा.नौकरी , 62.5 प्रतिशत व्यक्ति मजदूरी करते है, 30 प्रतिशत भिक्षा मॉगने / बधाई देने का कार्य करते है। कृषि कार्य करने वाले का प्रतिशत 00 है।

शोध प्रश्न – शिक्षा के प्रति तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो की दृष्टिकोण कैसी है ?

- **शिक्षा वातावरण संबंधी तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो का दृष्टिकोण**

क्र.	प्रश्न	संख्या	हॉ	नही	कभी नहीं	उत्तर प्रतिशत में		
						हॉ	नही	कभी नहीं
1	क्या आपने स्कूल से शिक्षा प्राप्त की हैं ?	40	32	08	00	80	20	00
2	क्या आपके परिवार वाले आपको स्कूल भेजना चाहते थे ?	40	25	13	02	62.5	32.5	05
3	क्या आपको पढ़ने की उत्सुकता थी ?	40	25	10	05	62.5	25	12.5
4	क्या आपके समुदाय के लोगो ने आपकी पढ़ाई में बाधा डाली थीं ?	40	20	16	04	50	40	10
5	क्या आपने घर मे रहकर ही पढ़ाई की है ?	40	21	16	03	52.5	40	7.5

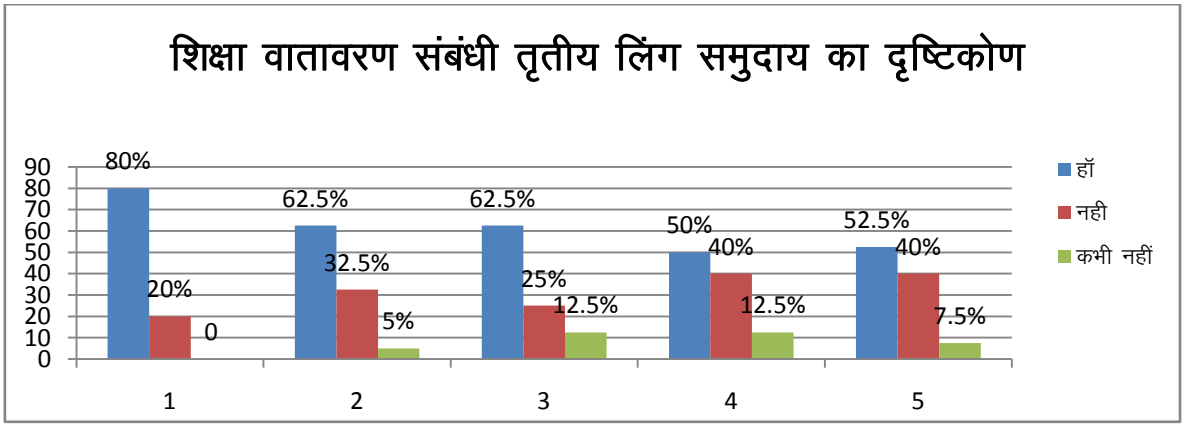

निष्कर्ष –80 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो ने स्कूल में एवं 20 प्रतिशत ने स्कूल से शिक्षा नही प्राप्त की हैं । 62.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के परिवार वाले स्कूल भेजना चाहते थे, 32.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के परिवार वाले स्कूल नही भेजना चाहते थे। 62.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो को पढ़ने की उत्सुकता 25.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो को पढ़ने की उत्सुकता नही थी ।50 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के समुदाय के लोगो ने पढ़ाई में बाधा डाली थीं, 40 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के समुदाय के लोगो ने पढ़ाई में बाधा नही डाली थीं । 10 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के समुदाय के लोगो का कहना है कि समुदाय के लोगो ने कभी पढ़ाई में बाधा नही डाली थीं। 52.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के घर मे रहकर ही पढ़ाई की है,40प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के घर मे रहकर ही पढ़ाई की 7.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के पढ़ाई नही की।

- **शिक्षा हेतु पड़ोस परिवार व शिक्षकों के सहयोग के प्रति तृतीय लिंग समुदाय का दृष्टिकोण**

क.	प्रश्न	संख्या	हॉ	नही	कभी नहीं	उत्तर प्रतिशत में		
						हॉ	नही	कभी नहीं
6	क्या आपकी शिक्षा में आपके परिवार का सहयोग था ?	40	36	04	00	70	30	00
7	क्या आपकी शिक्षा प्राप्त करने में स्कूल का वातावरण आपके अनुकूल था ?	40	07	33	00	17.5	82.5	00
8	क्या आपके पड़ोसियों ने शिक्षा प्राप्त करने में आपका सहयोग किया था ?	40	09	30	01	22.5	75	2.5
9	क्या आपके परिवार में आपसे किसी प्रकार का भेदभाव किया गया ?	40	24	14	02	60	35	05
10	क्या आपके शिक्षक आपसे सहयोगात्मक व्यवहार करते थे ?	40	14	26	00	35	65	00

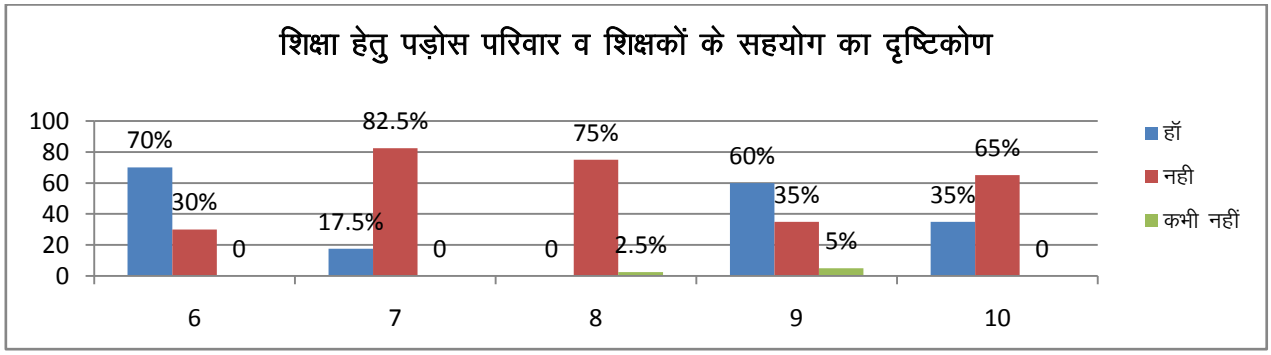

निष्कर्ष – 70 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के शिक्षा में परिवार का सहयोग था, 30 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के शिक्षा में परिवार का सहयोग नही था ,17.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के शिक्षा प्राप्त करने में स्कूल का वातावरण अनुकूल था, 82.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के शिक्षा प्राप्त करने में स्कूल का वातावरण अनुकूल नही था। 22.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के पड़ोसियों ने शिक्षा प्राप्त करने में आपका सहयोग किया था, 75 प्रतिशत को पड़ोसियों ने शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग नही किया 2.5 प्रतिशत को पड़ोसियों ने कभी सहयोग नही किया । 60 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के परिवार में उनसे भेदभाव किया गया, 35 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के परिवार में उनसे भेदभाव नही किया 05 प्रतिशत के साथ कभी भेदभाव नही किया गया।,35 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के शिक्षक सहयोगात्मक व्यवहार करते थे, 65 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के साथ शिक्षक सहयोगात्मक व्यवहार नही करते थे।

विद्यालय में भेदभाव संबंधी तृतीय लिंग समुदाय की दृष्टिकोण

क्र.	प्रश्न	संख्या	हॉ	नही	कभी नहीं	उत्तर प्रतिशत में		
						हॉ	नही	कभी नहीं
11	क्या आपको स्कूल में अलग बैठाया जाता था ?	40	04	30	06	10	75	15
12	क्या स्कूल में आपके दोस्त आपके साथ खेलते थे ?	40	12	00	28	30	00	70
13	क्या आपको स्कूल में अन्य गतिविधियों में भाग लेने दिया जाता था ?	*40*	*28*	*10*	*02*	*50*	*45*	*05*
14	क्या आपने स्कूल में कभी भेदभाव महसूस किया था ?	40	20	20	00	50	50	00
15	क्या आप आगे पढ़ना चाहते थे ?	40	32	08	00	80	20	00

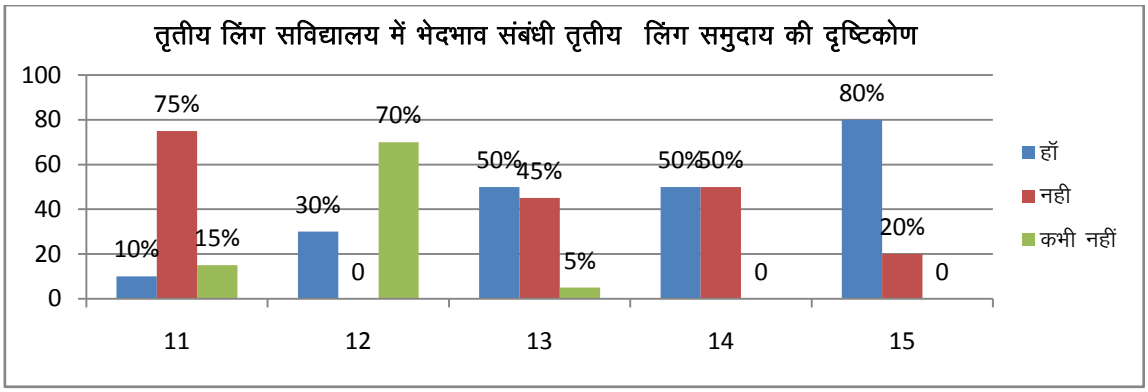

निष्कर्ष – 10 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के स्कूल में अलग बैठाया जाता था, 75 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के स्कूल में अलग नही बैठाया जाता था , 15 प्रतिशत कहना है कि उन्हे कभी अलग नही बैठाया गया । 70 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के स्कूल में दोस्त उनके साथ नही खेलते थे ,50 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के स्कूल में अन्य गतिविधियों में भाग लेने दिया जाता था, 45 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के स्कूल में अन्य गतिविधियों में भाग लेने नही दिया जाता था , 50 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के स्कूल में भेदभाव महसूस किया

था, 50 प्रतिशत ने भेदभाव नही महसूस किया था ।, 80 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के आगे पढ़ना चाहते थे 20 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के आगे नही पढ़ना चाहते ।

शिक्षा में सहयोग की भावना संबंधित तृतीय लिंग समुदाय की दृष्टिकोण

क्र.	प्रश्न	संख्या	हॉ	नही	कभी नहीं	प्रतिशत		
						हॉ	नही	कभी नहीं
16	क्या आपके पड़ोसी आपकी शिक्षा में बाधा डालते थे ?	40	25	10	05	62.5	25	12.5
17	क्या आपको पढ़ने के लिए आपके समुदाय से सकारात्मक सहयोग मिला था ?	40	08	27	05	20	67.5	12.5
18	क्या आपने उच्च शिक्षा प्राप्त किया है ?	40	01	31	08	2.5	77.5	20
19	क्या आपने व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त की है ?	40	02	31	07	05	77.5	17.5
20	क्या आप पढ़ाई में रूचि रखते हैं ?	40	28	12	00	70	30	00

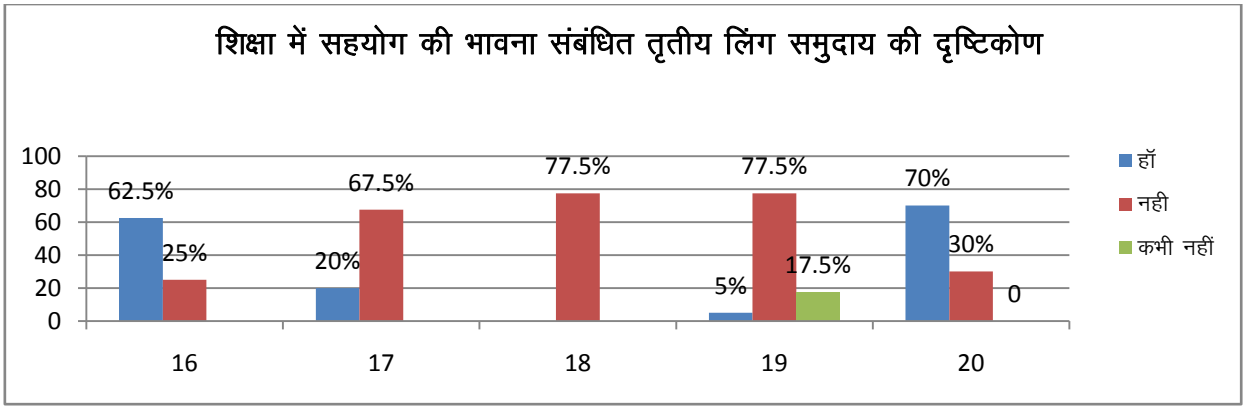

निष्कर्ष – 62.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के पड़ोसी उनकी शिक्षा में बाधा डालते थे, 25 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के पड़ोसी शिक्षा में बाधा नही डालते थे 12.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के पड़ोसी शिक्षा में कभी बाधा नही डालते थे।,67.5 प्रतिशत को सहयोग नही मिला ,20 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के मिला 12.5 प्रतिशत को कभी सहयोग नही मिला। 2.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के उच्च शिक्षा प्राप्त किया ,77.5 उच्च शिक्षा प्राप्त नही किया है , 20 कभी उच्च शिक्षा प्राप्त नही किया है ।05 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त की है 77.5 व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त नही की है ,17.5 प्रतिशत ने कभी व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त नही किया है। 70 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के पढ़ाई में रूचि रखते हैं 30 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के पढ़ाई में रूचि नही रखते हैं ।

शिक्षा संबंधित समाज व शासन से अपेक्षा संबंधी तृतीय लिंग समुदाय की दृष्टिकोण

क.	प्रश्न	संख्या	हॉ	नही	कभी नहीं	प्रतिशत		
						हॉ	नही	कभी नहीं
21	क्या आप अपनी शिक्षा आगे भी जारी रखना चाहते हैं?	40	28	12	00	70	30	00
22	प अपनी शिक्षा के लिए समाज से अपेक्षा रखते हैं कि समाज आपका सहयोग करें ?	40	30	10	00	75	25	00
23	क्या आप शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम हैं ?	40	08	22	10	20	55	25
24	क्या आप शिक्षा के लिए शासन से सहयोग की अपेक्षा करते हैं ?	40	32	07	01	80	17.5	2.5
25	क्या आप अपने समुदाय के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं ?	40	35	05	00	87.5	12.5	00

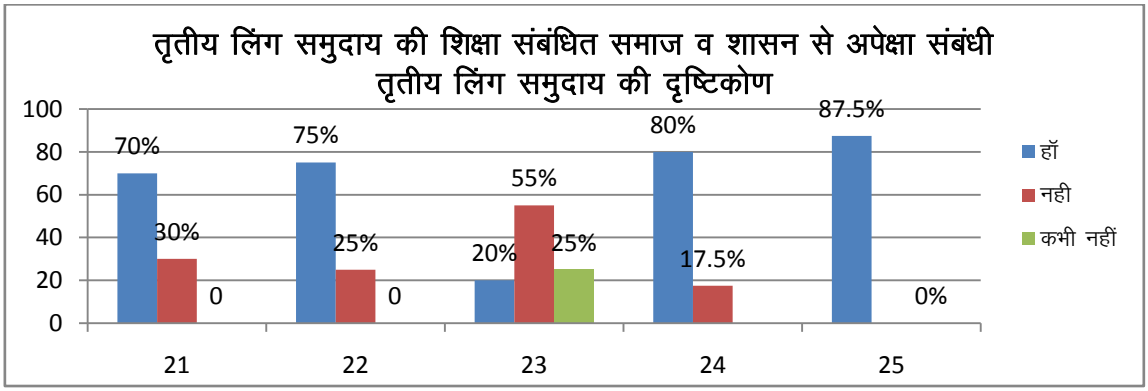

निष्कर्ष –70 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के अपनी शिक्षा आगे भी जारी रखना चाहते हैं, 30 प्रतिशत शिक्षा जारी रखना नही चाहते हैं । 75 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के अपनी शिक्षा के लिए समाज से अपेक्षा रखते हैं 25 प्रतिशत समाज से सहयोग की अपेक्षा नही करते । 55 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नही है 25 कभी सक्षम नही है। 80 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के शिक्षा के लिए शासन से सहयोग की अपेक्षा करते हैं । 87.5 प्रतिशत तृतीय लिंग व्यक्तियो के अपने समुदाय के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

सामान्य निष्कर्ष –उपरोक्त निष्कर्षों के आधार पर निकाला गया सामान्य निष्कर्ष यह है कि सामान्य समुदाय के तथा तृतीय लिंग समुदाय के सभी लोग तृतीय लिंग समुदाय की शिक्षा को लेकर गंभीर है ,तथा उन्हें शिक्षित करने के करने के लिये शिक्षा को आवश्यक मानते हैं ,परंतु आज भी तृतीय लिंग समुदाय तिरस्कृत व बहिष्कृत जीवन जी रहा है एवं शिक्षा के क्षेत्र में पिछे है जो समाज के लिए एक प्रश्न चिन्ह है । शिक्षा के माध्यम से इनकी स्थिति को सुधारा जा सकता है।

अनुसंधान की शैक्षिक महत्व –. शैक्षिक अनुसंधान का प्रमुख कार्य शिक्षा प्रक्रिया में सुधार कर विकास करना है। कोई भी राष्ट्र तभी आगे बढ सकता है जब उस देश का प्रत्येक समुदाय का प्रत्येक व्यक्ति का समान विकास हो ।

- प्रस्तुत शोध में प्राप्त आकडो के आधार **पर** तृतीय लिंग समुदाय की स्थिति से अवगत होंगे।

- इनकी वास्तविक स्थिति से अवगत हो सकेगे तथा तृतीय लिंग समुदाय की स्थिति में सुधार करने की दिशा में कार्ययोजना ,रणनीति बनाकर कार्य कर सकेगे।
- तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियों को शिक्षा के माध्यम से समाज की मुख्य धारा से जोड़ना।

तृतीय लिंग समुदाय सुधार हेतु निम्न कार्य किया जा सकता है–

- समाज में तृतीय लिंग समुदाय के लिए कार्य करने वाले प्रेरक व्यक्तियो का सम्मान करना ।
- तृतीय लिंग समुदाय को राष्ट्र की मुख्य धारा में जोडने का प्रयास ।
- इनके शिक्षा के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास करना।
- परिवार शिक्षक बच्चे के बीच समन्वय की आवश्यकता।
- परिवार को उनमुखीकरण की आवश्यकता । बच्चो का उनमुखीकरण की आवश्यकता ।
- तृतीय लिंग बच्चो की पहचान कर अनुकुल अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है ।
- शिक्षा के माध्यम से थर्ड जेंडर हेतु समता मूलक समाज की स्थापना।
- तृतीय लिंग के प्रति शिक्षक एवं समुदाय को जागरूक करना एवं उनके साथ होने वाले अन्याय को रोकना। तृतीय लिंग समुदाय के बच्चों को शिक्षित करना।
- समाज के सोच में परिवर्तन लाने का प्रयास करना, संवेदनशील बनाने हेतु उनमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित करना ।

संदर्भ ग्रंथ

- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2005
- भारत का राजपत्र
- सन्धु, मधु, आलेख शोध निबंध, थर्ड जेंडर, समाज और साहित्य
- मिश्रा लता ,सी.टी.ई. रायपुर (2019) शोध विषय–तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति एवं शासन की नीतियों के प्रति उनकी जागरूकता का अध्ययन ।
- मिश्रा लता, तृतीय लिंग समुदाय की शिक्षा की स्थिति छत्तीसगढ के संदर्भ 2020 शोध पत्रिका का नाम रिर्सचकलचर सोसाइटी एन्ड पब्लिकेसन ISBN . 978.81.946838.4.1 अंक पेज 9–14
- लता मिश्रा, तृतीय लिंग समुदाय की शासन की नीतियों के प्रति उनकी जागरूकता का अध्ययन छत्तीसगढ के सन्दर्भ 2020 शोध पत्रिका का नाम रिसर्चटुडे अंक 05 पेज 29 नवम्बर 38 , 2019 ISSN 2231.4369
- लता मिश्रा तृतीय लिंग समुदाय की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन छत्तीसगढ के सन्दर्भ में 2020 शोध पत्रिका का नाम बी आधार मलटीडिसीप्लीनरी इनटरनेशरिर्सर्चर जनरल 291 अंक पेज 224 अप्रेल 2021 ISSN 22789308
- डॉ. नियाज शगुप्ता थर्ड जेण्डर : तीसरी ताली का सच
- डॉ. खान एम.फीरोज थर्ड जेण्डर : अतीत और वर्तमान
- भगवंत अनमोल जिन्दगी 50–50